MODEL QUESTION PAPER
(Academic Session : 2020 - 2021)

Hindi

TIME : 3 Hr. **M.M. : 80**

सामान्य निर्देश : निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए :

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड 'अ' और 'ब' है। खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए है।
- खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकलपिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।

खंड 'अ'

प्र.1 निम्नलिखित गदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न मे से सही विकल्प चुनकर लिखिए $1 \times 1 = 10$

हमें अंग्रजी से कोई गिला–शिकवा नहीं है, अंग्रजी की प्रभुता से है। प्रभुता हम हिन्दी को भी नहीं देना चाहते। उसे एक विशेष प्रयोजन के लिए संपर्क– भाषा के रूप में स्वीकार करते है, पर किसी दूसरी भारतीय भाषा को कुचलकर, दबाकर या उसके हितो की अनदेखी कर नहीं। राज्य–विशेष में उसके दैनिक व्यवहार के लिए उसी की भाषा उत्तम है। वहाँ हिंदी को दखल नहीं देना। देश के स्वभाव और आवश्यकता के लिए हिंदी अपरिहार्य है ; आज से नहीं, लगभग एक हजार वर्षो से। दो भिन्न भाषा–भाषी परस्पर संवाद के लिए हिंदी का ही सहारा लेते है। कुछ अंग्रजी पढ़े लोग अब अंग्रजी का प्रयोग करने लगे है। पर आम जन से बात करने में उनकी अंग्रेजी व्यर्थ हो जाती है।और वे पुनः हिंदी का सहारा लेते है। भारत के स्वभाव में द्विभाषिकता है। आज यातायात और दूरसंचार के माध्यमों के विकास से हिंदी संपर्क–भाषा की भूमिका बढ़ रहीं है। पर ऐसा नहीं है कि राज्य – विशेष में उस राज्य की भाषा उपेक्षित हो रही है। सभी भारतीय भाषाओं की उपेक्षा का कारण अंग्रेजी को अनावश्यक महत्व देना है।

(i) हमें अंग्रेजी से कोई गिला–शिकवा नहीं है, तो फिर किससे है–

(अ) अंग्रेजों के जुल्म और अत्याचार से है (ब) काले रंग की भेद नीतिसे है
(स) अंग्रेजी की प्रभुता से है। (द) उपर्युक्त सभी

(ii) हम हिंदी को भी किस रूप में स्वीकार करते है –

(अ) संपर्क– भाषा के रूप में स्वीकार करते है (ब) राष्ट्र भाषा के रूप में स्वीकार करते है
(स) राज भाषा के रूप में स्वीकार करते है (द) उपर्युक्त सभी के रूप में स्वीकार करते है

(iii) राज्य–विशेष में उसके दैनिक व्यवहार के लिए कौनसी भाषा उत्तम है –

(अ) हिंदी (ब) उसी राज्य की भाषा
(स) अंग्रेजी (द) अंग्रेजी और हिंदी दोनों

(iv) कहाँ हिंदी को दखल नहीं देना

(अ) जहाँ अंग्रेजी बोली जाती हृै (ब) जहाँ अंग्रेजी समर्थकों की संख्या ज्यादा हो
(स) किसी राज्य की भाषा में (द) उपर्युक्त सभी जगह

(v) देश के स्वभाव और आवश्यकता के लिए क्या अपरिहार्य है–

(अ) अंग्रेजी (ब) हिंदी
(स) क्षेत्रीय भाषा (द) उपर्युक्त सभी जगह

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(vi) दो भिन्न भाषा–भाषी परस्पर संवाद के लिए किस भाषा सहारा लेते है–

(अ) क्षेत्रीय भाषा (ब) अंग्रेजी

(स) हिंदी का ही (द) उपर्युक्त सभी

(vii) कुछ अग्रजी पढ़े लोग अब अंग्रेजी का प्रयोग करने लगे है। पर आम जन से बात करने में उनकी अंग्रेजी कैसी हो जाती है–

(अ) हास्यास्प्रद (ब) दुविधा ग्रस्त

(स) व्यर्थ (द) उपर्युक्त सभी

(viii) भाषा के सम्बन्ध में भारत का स्वभाव कैसा है–

(अ) केवल हिंदी स्वीकार्य (ब) केवल क्षेत्रीय भाषा स्वीकार्य

(स) केवल सर्व मान्य भाषा स्वीकार्य (द) द्विभाषिकता

(ix) किने माध्यमों के विकास से हिंदी संपर्क–भाषा की भूमिका बढ़ रहीं है–

(अ) सिनेमा (ब) यातायात

(स) दूरसंचार (द) यातायात और दूरसंचार

(x) सभी भारतीय भाषाओं की उपेक्षा का क्या कारण है–

(अ) हिंदी की उपेक्षा (ब) क्षेत्रीय भाषाओं की उपेक्षा

(स) अंग्रेजी को अनावश्यक महत्व देना है। (द) उपर्युक्त सभी

प्र.2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5 = 5

यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम–से–कम मत बोओ !
है अगम चेतना की घाटी, कमजोर बड़ा मानव का मन
ममता की शीतल छाया में होता कटुता का स्वयं शमन।
ज्वालाएँ जब घुल जाती है ,खुल –खुल जाते है मुँदे नयन
होकर निर्मलता में प्रशांत, बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन।
संकट में यदि मुसका न सको, भय से कातर हो मत रोओ
यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम –से–कम बोआ।

(i) कवि के अनुसार यदि फूल नहीं बो सकते तो क्या किया जा सकता है

(अ) उगे हुए फूलों को बचा सकते है

(ब) शहीदों की समाधि पर चढ़ा सकते है

(स) काँटे मत बोओ

(द) डाली पर लगे फूलों को तो मत तोड़ो

(ii) कटुता का स्वयं शमन कहाँ होता है ।

(अ) ममता की छाया में (ब) ममता की गोद में

(स) ममता के मन में (द) उपर्युक्त सभी में

(iii) कवि ने ज्वालाएँ धुल जाने का क्या प्रभाव बतलाया है

(अ) क्रांति जन्म लेती है (ब) मुँदे नयन–खुल जाते है

(स) नव चेतना जगाने लगाती है (द) उपर्युक्त सभी

(iv) कवि के अनुसार संकट में यदि मुस्करा नहीं सकते तो क्या किया जा सकता है

(अ) भय से दुखी न हो (ब) भय का सामना करें

(स) भय की चिंता न करें (द)उपर्युक्त सभी

(v) कवि के अनुसार मानव मन कैसा है –

(अ) अत्यंत बलशाली (ब) अत्यंत निर्बल

(स) अत्यंत आशंकित (द) अत्यंत भयभीत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5 = 5

(i) लेख का वह रुप जिसमें मनोरंजन का स्थान पहला होता है तथा समाचार का बाद में, यह विशेषता किस लेख की है -

(अ) आलेख (ब) फीचर

(स) संपादकीय (द) उपर्युक्त सभी

(ii) जब किसी समूह के साथ प्रत्यक्ष संवाद करने की बजाय किसी यांत्रिक माध्यम में संवाद स्थापित किया जाता है, कहलाता है।

(अ) जन संचार (ब) पत्रकारिता

(स) आलेख (द) फीचर

(iii) आपसी बात–चीत, टेलीफोन, भाषण देना संचार की किस श्रेणी में आता है।

(अ) आमौखिक संचार (ब) मौखिक संचार

(स) जन संचार (द) उपर्युक्त में से किसी में नही

(iv) किसी भी समाचार पत्र की आत्मा माना जाता है –

(अ) संपादकीय लेख (ब) शुद्ध लेखन

(स) साहित्यिकता (द) उपर्युक्त सभी को

(v) निम्न लिखित में से कौनसा समाचार लेखन का अंग नहीं है –

(अ) शीर्षक (ब) मुखड़ा

(स) निकाय (इवकल) (द) उपर्युक्त सभी

प्र.4 निम्नलिखित प्रश्नों मे से सही विकल्प चुनकर लिखिए 1×5 = 5

नील जल में या किसी की
गौर, झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।
ओर ....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है।

(i) उक्त काव्यांश के कवि है

(अ) शमशेर बहादुरसिंह (ब) रघुवीर सहाय

(स) फिराक गोरखपुरी (द) इनमे से कोई नहीं

(ii) उक्त काव्यांश किस कविता का अंश है–

(अ) गजल–रुबाइयाँ (ब) उषा

(स) सघर्ष स्वीकार है (द) कैमरे में बंद अपाहिज

(iii) नील जल किसके लिए प्रयुक्त हुआ है –

(अ) पानी के लिए (ब) आकाश के लिए

(स) क्षितिज के लिए (द) सभी के लिए

(iv) या किसी की
गौर, झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।
उक्त पंक्ति में किसी किसके लिए प्रयुक्त हुआ है

(अ) जलपरी के लिए (ब) आकाश के नीले जल के लिए

(स) सूरज की पीली किरणों के लिए (द) सभी के लिए

(v) जादू टूटता है इस उषा का अब,जादू टूटना किसे कहा है

(अ) चमत्कार को (ब) भोर के सभी रंग विलुप्त होने के लिए

(स) सूर्योदय के लिए (द) सभी के लिए

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5 = 5

सेवक–धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है – नाम है। लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखओं में नही बंध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पडता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि– सूचक नाम किसी को बताती नही। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया, पर इस प्रार्थना के साथ कि मै कभी नाम का उपयोग न करूँ। उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मै सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन – जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्‌गद हो उठी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है–
(अ) भक्तिन से (ब) बाजार दर्शन से
(स) काले मेघा पानी दे से (द) पहलवान की ढोलक से

(ii) उक्त गद्यांश जिस पाठ से लिया गया है, इसके रचयिता है–
(अ) महादेवी वर्मा (ब) जैनेद्र
(स) धर्मवीर भारती (द) इनमे से कोई नहीं

(iii) कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्‌गद हो उठी। इस पंक्ति में कवित्वहीन नाम किसे कहा है–
(अ) लक्ष्मिन को (ब) भक्तिन को
(स) लेखिका को (द) सभी को

(vi) भक्तिन को किससे स्पर्द्धा करने वाली कहा है
(अ) हनुमानजी से (ब) अंजलि से
(स) गोपालिका की कन्या से (द) इनमे से किसी से नहीं

(v) अपना समृद्धि– सूचक नाम किसी को बताती नही बताने की बात पर लेखिका ने भक्तिन को क्या बतलाया
(अ) समझदार (ब) चालाक
(स) बुद्धिमती (द) सभी

प्र.6 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×10 = 10

(i) सल्विर वैडिंग कहानी के लेखक है –
(अ) श्याम मनोहर जोशी (ब) आनंद यादव
(स) ऐनी फ्रेंक (द) ओम थावनी

(ii) किशन दा थे –
(अ) विवाहित (ब) अविवाहित
(स) ब्रह्मचारी (द) विधुर

(iii) यशोधर पंत की कितनी सन्तानें थी –
(अ) तीन बेटे (ब) तीन बेटे एक बेटी
(स) दो बेटे एक बेटी (द) एक बेटा एक बेटी

(iv) पिता का कौनसा फैसला लेखक आनंद यादव की परेशानी का कारण बना –
(अ) पढ़ाई से हटा कर खेती के काम में लगाना (ब) दत्ता सरकार के सामने झूठे आरोप लगाना
(स) बचपन में पिता द्वारा पीटा जाना (द) उपर्युक्त सभी

(v) लेखक आनंद यादव की पढ़ाई कौनसी कक्षा में रोक दी गई थी –
(अ) तीसरी (ब) चौथी
(स) पांचवी (द) छठी

(vi) लेखक आनंद यादव और उसकी माँ दादा से पढ़ाई की बात करने से क्यो डरते थे –
(अ) मार–पीट के कारण (ब) गाली गलौच के कारण
(स) सूअर की तरह गुर्राने के कारण (द) उपर्युक्त सभी कारणों से

(vii) मुअनदो जड़ो की खोज हुई –
(अ) बीसवीं शताब्दी के दूसरे दशक में (ब) बीसवीं शताब्दी के तीसरे दशक में
(स) तीसवीं शताब्दी के चौथे दशक में (द) उन्नीसवीं शताब्दी के चौथे दशक में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(viii) मुअनदो जड़ो वर्तमान में कहाँ स्थित है –
(अ) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में
(ब) पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में
(स) भारत के पंजाब प्रांत में
(द) उपर्युक्त में से कहीं नहीं

(ix) ऐन फ्रैंक को अपने परिवार के साथ कितने वर्षों तक अज्ञात वास में रहना पड़ा–
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार

(x) ऐन फ्रैंक ने डायरी लिखना प्रारम्भ किया था–
(अ) 2 जून 1942 (ब) 13 जून 1943
(स) 8 जुलाई 1942 (द) 10 जुलाई 1942

खण्ड 'ब'

प्र.7 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों के लगभग रचनात्मक लेख लिखिए। **5**
(अ) आरक्षण (ब) बेरोजगारी की बढ़ती समस्या
(स) करोना महामारी का वैश्विक प्रभाव (द) घटते गॉव –बढ़ते शहर

प्र.8 स्वास्तिक इण्डस्ट्रीज जयपुर के प्रबन्धक को लिपिक पद हेतु स्वयं को अभ्यर्थी मानते हुए एक आवेदन पत्र लिखिए। **5**

प्र.9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3+2 = 5
(i) कहानी में कथानाक के बारे में संक्षिप्त जानकारी दीजिए।
(ii) नाटक में पात्र और चरित्र चित्रण किन बातों के आधार पर निर्धारित किया जाता है?

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3+2 = 5
(i) सम्पादकीय लेखन से क्या आशय है?
(ii) समाचार पत्रों और रेडियो समाचार में अंतर स्पष्ट कीजिये?

प्र.11 निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिये। 3+3 = 6
(i) कैमरे में बंद अपाहिज करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है– विचार कीजिए।
(ii) 'दिल में क्या झरना है ? कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?
(iii) कवि अपने प्रियतम को क्यों भूलना चाहता है ?

प्र.12 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों मे दीजिये 2+2 = 4
(i) उषा कविता के आधार पर उस जादू को स्पष्ट कीजिए जो सूर्योदय के साथ टूट जाता है।
(ii) हनुमान के अवतरण को करूण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ?
(iii) "खुद का परदा खोलने" का क्या आशय है

प्र.13 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों मे दीजिये 3+3 = 6
(i) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा?
(ii) भगतजी चूरन वाले का व्यक्तित्व सब के लिए क्या प्रेरणा है? कैसे, स्पष्ट कीजिए–
(iii) अम्बेडकर जी ने जाति प्रथा का क्या प्रभाव बतलाया?

प्र.14 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों मे दीजिये 2+2 = 4
(i) आप कैसे कह सकते है कि लेखक जीजी के प्रति सम्मान रखता था और जीजी लेखक के प्रति स्नेह?
(ii) कहानी के किस – किस मोड़ पर लुट्ठन के जीवन में क्या – क्या परिवर्तन आए।
(iii) 'अबाध सम्पर्क' से अम्बेडकर जी का क्या आशय है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

MODEL QUESTION PAPER
(Academic Session : 2020 - 2021)

HINDI SOLUTION

खंड 'अ'

उ.1 (i) (स) अंग्रेजी की प्रभुता से है।
(ii) (अ) संपर्क– भाषा के रूप में स्वीकार करते है
(iii) (ब) उसी राज्य की भाषा
(iv) (स) किसी राज्य की भाषा में
(v) (स) क्षेत्रीय भाषा
(vi) (स) हिंदी का ही
(vii) (स) व्यर्थ
(viii) (द) द्विभाषिकता
(ix) (द) यातायात और दूरसंचार
(x) (स) अंग्रेजी को अनावश्यक महत्व देना है।

उ.2 (i) (स) काँटे मत बोओ
(ii) (अ) ममता की छाया में
(iii) (ब) मुँदे नयन–खुल जाते है
(iv) (अ) भय से दुखी न हो
(v) (ब) अत्यंत निर्बल

उ.3 (i) (ब) फीचर
(ii) (अ) जन संचार
(iii) (अ) आमौखिक संचार
(iv) (अ) संपादकीय लेख
(v) (अ) शीर्षक

उ.4 (i) (अ) शमशेर बहादुरसिंह
(ii) (ब) उषा
(iii) (ब) आकाश के लिए
(iv) (स) सूरज की पीली किरणों के लिए
(v) (ब) भोर के सभी रंग विलुप्त होने के लिए

उ.5 (i) (अ) भक्तिन से
(ii) (अ) महादेवी वर्मा
(iii) (ब) भक्तिन को
(vi) (अ) हनुमानजी से
(v) (अ) समझदार

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ.6 (i) (अ) श्याम मनोहर जोशी

(ii) (ब) अविवाहित

(iii) (ब) तीन बेटे एक बेटी

(iv) (अ) पढ़ाई से हटा कर खेती के काम में लगाना

(v) (ब) चौथी

(vi) (द) उपर्युक्त सभी कारणों से

(vii) (ब) बीसवीं शताब्दी के तीसरे दशक में

(viii) (अ) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में

(ix) (ब) दो

(x) (अ) 2 जून 1942

खण्ड 'ब'

उ.7 (अ) आरक्षण

लक्ष्य और उद्देश्य के अन्तर को समझकर ही किसी कार्य को अच्छा या बुरा ठहराया जा सकता हैं। हाथ में चाकू थामें एक एक डॉक्टर और अपराधी का लक्ष्य भले ही एक हो (पेट चीरना) लेकिन दोनों का उद्देश्य अलग–अलग होता है। अपराधी जिस चाकू को हत्या के लिए इस्तेमाल करता है। उसे ही डॉक्टर चीरा लगाकर मरीज को ठीक करने के लिए इस्तेमाल करता हैं। हमारे सविधान के निर्माताओं ने समाज में सदियों से दबे–कुचले लोगो को बराबरी का अवसर प्रदान करे के उद्देश्य से आरक्षण का प्रावधान रहा था। आरक्षण को चुनाव जीतने का औजार बनाने की बात उनकी कल्पना से परे रही होगी। दुर्भाग्य से आज आरक्षण को राजनीति के कीचड में धसीटकर विवादास्पद बना दिया गया हैं इसके लिए आरक्षण लागू करने वाले उसका विरोध करने वाले दोनो ही पक्ष बराबर के जिम्मेदार हैं पीढियों से मलाई उडाने वाला तबका आरक्षण में अडगेंबाजी करने के लिए कभी योग्यता का शिगूफा छोडता है तो कभी जाति नही, आर्थिक स्थिति को आरक्षण का आधार बनाने की माँग करता हैं अपवाद छोड दे तो यह सर्वमान्य तथ्य है कि भारत में जो जाति से पछिडा हैं वह आर्थिक तौर से भी कमजोर है। रही बात योग्यता की तो समान सुविधा और समान परिस्थितियाँ मुहैया कराने के बाद ही योग्यता की माँग उठाना तर्कसंगत कहा जायेगा। किसी नामी मल्ल से कुश्ती के लिए एक गरीब और कमजोर इंसान को अखाडें में उतारा जाना अन्याय कहलाएगा। नौकरियों और शिक्षा के क्षेत्र में जल्दबाजी में आरक्षण लागू करने वाले राजनैतिक दलों का उद्देश्य दरअसल पिछडे वर्ग से अधिक खुद अपना कल्याण करना हैं पिछडे वर्ग का वोट बटोरने के उद्देश्य से जल्दबाजी में उठाए गए कदमों से समाज में विग्रह पैदा होते है। ऐसे कानूनों को अदालत में घसीटा जाता हैं जिससे उनका कार्यान्वयन ढीला पड जाता है। पिछले साल सरकार ने केन्द्रीय शिक्षण संस्थानों में पिछडे वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का जो कानून बनाया, उसे भी उच्चतम – न्यायालय में चुनौती दी गई है। अदालत ने कानून बनाने के आधार को लेकर जो सवाल उठाया है। वह राजनैतिक दलों की नीयत पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। अच्छा होता ऐसी नौबत नही आती।

भारत में जाति आधारित अन्तिम जनगणना 1931 में हुई और उसके आधार पर ही पिछडे वर्ग को आरक्षण प्रदान किया गया। पर जातियाँ लगातार बदली है और पेशे भी। निश्चत ही इतने वर्ष में कुछ जातीय समीकरण बदले होगे जिन्हें जानना जरूरी है। संसदीय समिति पिछडे वर्ग की पहचान के लिए नये सर्वेक्षण का सुझाव दे ही चुकी है। अच्छा हो सरकार इस बारे में

शीध्र कदम उठाए। नए आँकडे आने कके बाद पिछडे वर्ग को लेकर उठाई जाने वाली सभी शंकाओं का समाधान हो जाएगा, लेकिन जब तक ताजा आँकडे उपलब्ध नही हाते, जब तक पुराने आधार पर ही आरक्षण लागू रहना चाहिए। नए आँकडे की आड में आरक्षण को अनन्त काल तक स्थगित किए जाने की अनुमति नही दी जा सकती।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ.8 रामगली, रतनगढ़

5 सित., 2020

सेवामें,

प्रबन्धक,
श्रीमान महोदय,
स्वास्तिक इण्डस्ट्रीज,
जूनापुर।

विषय : लिपिक पद हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि रोजगार समाचार 16 अगस्त, 2007 के अंक में प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि आपके प्रतिष्ठान में लिपिक पद हेतु पद रिक्त है। उक्त पद हेतु मेरी वैयत्तिक एवं शैक्षणिक योग्यता का विवरण निम्न है–

1. नाम
2. जन्म तिथि
3. पिता का नाम,
4. शैक्षणिक योग्यता–

क्र.सं.	**परीक्षा का नाम**	**बीड़ी वि.वि.**	**परिणाम**
(i)	परीक्षा का नाम	मा. शि. बोर्ड, राज.	80 प्रतिशत
(ii)	सैकण्डरी	मा. शि. बोर्ड, राज.	85 प्रतिशत
(iii)	बी. ए.	राज. वि. वि.	70 प्रतिशत

5. अन्य योग्यता – कम्प्यूटर में डिप्लोमा
6. कार्यानुभव – विगत दो वर्षों से एक निजी संस्थान में लिपिक पद पर कार्य।
7. पत्र व्यवहार हेतु पता – 420, मायानगरी, रतनगढ़

महोदय, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यदि मुझे सेवा का अवसर प्रदान किया गया तो मैं पूर्ण ईमानदारी, परिश्रम, लगन एवं निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन करूँगा तथा अपने सदाचरण से प्रबन्धकों एवं सहकर्मियों को सन्तुष्ठ रखूगाँ। मुझे आपसे आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि आप मुझे सेवा का अवसर प्रदान कर अनुगृहीत करेंगे।

भवदीय

क ख ग

उ.9 (i) कहानी को मूर्त रुप देनेवाला यह कहानी का तत्व वास्तव में एक या दो–चार संक्षिप्त घटनाओं का संचयन होता है। अनावश्यक ब्यौरे तथा वर्णनों के लिए यहां स्थान नहीं होता। सबंध्ताए तारमम्यए कौतुहल कथानक के अंग माने जाते है। वण्रन में सूक्ष्मता भी कथानक के लिए आवश्यक हैं कहानी मे कथा की मुख्य चार अवस्थाएं होती है– आरंभ, आरोह, चरम सीमा, अवरोह। कहानी के कथा आरंभ पात्र परिचय, वातावरण चित्रण या मनोचित्रण की विशेष स्थिति में होता है। घटनाएं घात–प्रतिघात आरोह कहलाएगी। इससे उत्पन्न परिणाम चरम सीमा और अंत में जब पाठकों की उत्सुकता क्षमित होगी तब उपसंहार होगा।

(ii) नाटक में नाटक का अपने विचारों, भावों आदि का प्रतिपादन पात्रों के माध्यम से ही करना होता है अतः नाटक में पात्रों का विशेष स्थान होता है। प्रमुख पात्र अथवा नायक कला का अधिकारी होता है तथा समाज को उचित दशा तक ले जाने वाला होता है। भारतीय परंपरा के अनुसार वह विनयी, सुंदर, शालीनवान, त्यागी, उच्च कुलीन होना चाहिए। किंतु आज नाटकों में किसान, मजदूर आदि कोई भी पात्र हो सकता है। पात्रों के संदर्भ में नाटककार को केवल उन्हीं पात्रों की सृष्टि करनी चाहिए जो घटनाओं को गतिशील बनाने में तथा नाटक के चरित्र पर प्रकाश डालने में सहायक होते है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ.10 (i) किसी समाचार पत्र की निति के अनुसार किसी सामयिक घटना पर टिपण्णी करते हुए लेख लिखना सम्पादकीय लेखन कहलाता है। यह लेख प्रतिदिन छपता है। इसका लेखन संपादक मंडल में से कोई एक करता है। वह अपनी निजी राय देने की बजाय समाचार पत्र की नीति को महत्त्व देता है। किसी एक व्यक्ति का निजी मत न होने के कारण सम्पादकीय के नीचे किसी का नाम नहीं लिखा जाता संपादन का सिद्धांत है तथ्यों की शु(ता, वस्तुपरकता, निष्पक्षता, संतुलन और स्तोत्र की प्रमाणिकता व विविधता।

(ii) अखबार की खबरे स्थाई होती है जबकि रेडियो की खबरे सुनने के बाद प्रभाव खो देती है। अखबार की खबरों में क्रमिकता की आवश्यकता नहीं होती जबकि रेडियो समाचारों को उसी क्रम में सुनना पड़ता है अखबार की खबरों के लिए अक्षर ज्ञान आवश्यक है जबकि रेडियो समाचार के लिए अक्षर ज्ञान आवश्यक नहीं है। अखबार की खबरों में व्याकरण और वर्तनी की शु(ता आवश्यक है जबकि रेडियो की खबरों में उच्चारण की शद्धता आवश्यक है, अखबार की खबरों का माध्यम शब्द है रेडियो की खबरों का माध्यम शब्द और आवाज है।

उ.11 (i) यह कविता अपनेपन की भावना में छिपी क्रूरता को व्यक्त करती है। सामाजिक उद्देश्यों के नाम पर अपाहिज की पीडा को जनता तक पहुँचाया जाता है। यह कार्य ऊपर से करूणा भाव को दर्शाता है। परन्तु वास्तविक उद्देश्य कुछ और ही होता है। संचालक अपाहिज की अपंगता बेचना चाहता है। वह एक रोचक कार्यक्रम बनाना चाहता है। जिसे देखकर उसका कार्यक्रम जनता में लोकप्रिय हो सके। उसे अपंग की पीडा से कुछ लेना देना नहीं है। यह कविता यह बताती हैं कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकांश कार्यक्रम कारोबारी दबाव के कारण संवेदनषील होने का दिखावा करते है। इस तरह दिखावटी अपनेपन की भावना क्रूरता की सीमा तक पहुँच जाती है।

(ii) कवि के मन में अपने प्रियतम का अपार आकर्षण तथा प्रेम भरा हुआ हैं। इस प्रेम को कवि जितना ही व्यक्त करता है। उतना ही अधिक वह उसके हदय में उमडने लगता है। उसके हदय से निकलने वाले प्रेमोद्‌गारों का अन्त नहीं है। अतः कवि को आशंका होती हैं कि क्या उसके हदय में कोई प्रेम का झरना बह रहा है। जिसकी अनन्त जलराशि उसके मन में प्रेम के भावों से रिक्त नहीं होने देती और उसका मन बार–बार प्रियतम के प्रति प्रेम – भाव से भर जाता है।

उ.12 (i) सूर्योदय से पूर्व उषा का दृश्य अत्यंत आकर्षक होता है। भोर के समय सूर्य के किरणें जादू के समान लगती है। इस समय आकाश का सौन्दर्य क्षण – क्षण में परिवर्तन होता रहता हैं यह उषा का जादू हैं नीले आकाश का शंख सा पवित्र होना, काली सिल पर केसर डालकर धोना, काली स्लेट पर लाल खडिया मल देना, नीले जल में गोरी नायिका का झिलमिलाता प्रतिबिन्ब आदि दृश्य उषा के जादू के समान लगते है। सूर्योदय होने के साथ ही ये दृश्य समाप्त हो जाते है।

(ii) वैद्य सुषेण ने बताया था कि भोर होने से पहले संजीवनी बूटी आ गई तो लक्ष्मण का जीवन संभव हैं, वरना उसकी मृत्यु हो सकती है। भोर होने के करीब थी, किन्तु हनुमान का पता तक नहीं था। अतः राम लक्ष्मण की मृत्यु के भय से भयभीत हो गए थे। वे विलाप करने लगे थे। इसी बीच हनुमान संजीवनी बूटी लेकर आ गए। उन्हें देखकर राम का शोक एकदम शांत हो गया। रूदन में आशा और उत्साह का संचार हो गया। सारा वातावरण शोक की बजाय एकदम वीर रक्षात्मक हो गया।

उ.13 (i) भक्तिन का वास्तविक नाम था – लछमिन अर्थात लक्ष्मी। लक्ष्मी नाम समृ; व ऐश्वर्य का प्रतीक माना जाता है, परन्तु यहाँ नाम के साथ गुण नहीं मिलता। लक्ष्मी बहुत गरीब है। वह जानती है कि समृ; का सूचक यह नाम गरीब महिला को शोभा नहीं देता। उसके नाम व भाग्य में विरोधाभास है। वह सिर्फ नाम की लक्ष्मी है। समाज उसके नाम को सुनकर उसका उपहास न उड़ाए। इसीलिए वह अपना वास्तविक नाम लोगों से छुपाती थी। उसने महादेवी से प्रार्थना की कि वह उसके असली नाम का प्रयोग न करे। भक्तिन को यह नाम लेखिका ने दिया। उसके गले में कंठीमाला व मुँडे हुए सिर से वह भक्तिन ही लग रही थी। उसमें सेवा भावना व कर्तव्यपरायणता को देखकर ही लेखिका ने उसका नाम ''भक्तिन'' रखा।

(ii) भगत जी चौक – बाजार में आँखे खोलकर चलते है, लेकिन उसे देखकर भौंचक्के नहीं होते। उनके व्यवहार में असमंजस नहीं होता। वे खोए–खोए से नहीं खड़े रहते। भाँति–भाँति के प्रति उनके मन में कोई अप्रीति का भाव भी नहीं आता। वे खुली आँख, तुष्ट मन और मग्न भाव से चौक–बाजार में से चले जाते है। मार्ग में पडने वाले फैंसी स्टोरो पर भी वे नहीं रूकते। उनको जीरा और काला नमक खरीदना होता है। अतः वे पंसारी की दुकान पर रूकते है। उनके व्यक्तित्व का यह सशक्त पहलू लेख में उभरकर आया है। निश्चय ही भगत जी का आचरण समाज में शान्ति स्थापित करने में मददगार हो सकता है। अधिक से अधिक सामान जोड़ने की वासना समाज में अशान्ति उत्पन्न करती है। यदि व्यक्ति अपनी आवश्यकतानुसार ही खरीददारी करे, तो महँगाई नहीं बढ़ेगी। मनुष्यों में असंतोष नहीं होगा। अतः समाज में शांति स्थापित हो सकेगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ.14 (i) लेखक पानी बरसाने के लिए इन्दर सेना के तरीकों तथा धर्म के नाम पर त्यौहारों तथा पर्वो पर होने वाले परम्परागत कामों का अन्धविश्वास तथा पाखण्ड मानता था। उसका विचार था कि इन बातों के कारण भारतीय अंग्रेजो की तुलना पिछड़ गए हैं अपने ऊपर आर्यसमाजी प्रभाव के कारण वह इन बातों का खण्डन कठोर तर्कों से करता था परन्तु उसकी मुश्किल यह थी कि जीजी के प्यार के कारण उसको ये सभी काम अनिश्छापूर्वक करने पड़ते थे। उनको इन व्रतों, पूजा तथा अनुष्ठानों में गहरी श्रद्धा तथा विश्वास था। लेखक उनके स्नेह के कारण उनके मन को दुःखी नहीं करना चाहता था। मन से सहमत न होने पर भी इन कामों को करता जाता था।

(ii) बचपन में नौ वर्ष की आयु में उसके माता–पिता की मृत्यु हो गई। किशोरावस्था में उसने श्यामनगर दंगल में चाँद सिंह नामक शेर के बच्चे को हराया तथा 'राज पहलवान' का दर्जा हासिल किया। राजा साहब के अचानक स्वर्गवास के बाद नए राजा ने उसे दरबार से हटा दिया। वह गाँव लौट आया। अकस्मात सूखा व महामारी से गाँव में हाहाकार मच गया। उसके दोनों बेटे भी इस महामारी की चपेट में आ गए। वह उन्हें कंधे पर लादकर नदी में बहा आया। पुत्रों की मृत्यु के बाद वह कुछ दिन अकेला रहा और अंत में चल बसा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in